

श्री प्रह्लाद चन्द्र तासा

Shri Prahlad Chandra Tasa



पद्म श्री

Padma Shri

श्री प्रह्लाद चन्द्र तासा

श्री प्रह्लाद चन्द्र तासा, पूर्वोत्तर के सर्वोच्च साहित्यिक निकाय, असम साहित्य सभा के उपाध्यक्ष, असम में साहित्य, शिक्षा और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में व्यापक रूप से जाने जाते हैं।

2. आपका जन्म 24 अगस्त, 1952 को हुआ। आपने डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय से 1975 में स्नातक कला की डिग्री प्राप्त की और उसी विश्वविद्यालय से एक प्राइवेट छात्र के रूप में वर्ष 1985 में असमिया साहित्य में कला निष्णात की डिग्री प्राप्त की।

3. आपने असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति गुवाहाटी द्वारा आयोजित हिंदी में "बिशारद' और "प्रवीण" की डिग्रियां भी प्राप्त कीं। आपने अपने सेवाकाल के प्रथम भाग में 12 वर्षों तक शिक्षक के रूप में कार्य किया। उसके उपरांत आपको असम सरकार द्वारा विद्यालय के उप निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। उसके बाद आपको इलेमेंटरी ऑफिसर के पद पर प्रोन्नत किया गया और आप 2012 वर्ष में इसी पद से सेवानिवृत्त हुए। आपने असम के विभिन्न जिलों में 28 वर्षों तक शिक्षा अधिकारी के रूप में कार्य किया।

4. आपकी असमिया भाषा में साहित्यिक कृतियां हैं। आपने शिक्षा पर 4 पुस्तकें और असमिया भाषा साहित्य और संस्कृति पर 6 पुस्तकें लिखीं। आप हमेशा समाज से चाय बागान के श्रमिक समुदाय जिससे आप संबंधित हैं से निरक्षरता का उन्मूलन करने पर जोर देते हैं। आप वर्षों तक असम साहित्य सभा से घनिष्ठता से जुड़े रहे। आप अलग–अलग समय में इसके शाखा अध्यक्ष जिला अध्यक्ष सहायक महासचिव महासचिव बने। अब आप पूर्वोत्तर के इस प्रसिद्ध साहित्यिक संगठन जो वर्ष में अपना गौरवमयी वर्ष पूरा करने जा रहा है के उपाध्यक्ष हैं।

5. आपको वर्ष 1996 में राधा गोविन्द बरुआ पुरस्कार तथा वर्ष 2004 में रूप कंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल पुरस्कार मिला। आपको साहित्य संस्कृति शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्रों में आपके योगदान के लिए असम के विभिन्न भागों में कई बार सराहना मिली है।



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

Shri Prahlad Chandra Tasa

Shri Prahlad Chandra Tasa , Vice President of Asam Sahitya Sabha, the highest literary body of the North East, is widely known in Assam as a literature, educationist and social activist.

2. Born on August 24 in the year of 1952 Shri Tasa received Bachelor of Arts degree from the University of Dibrugarh in 1975 and Master of Arts degree in Assamese literature from the same University as a private candidate in 1985. He also received degrees of 'Bisharad' and 'Pravin' in Hindi conducted by the Asam Rashtrabhasha Prachar Samiti, Guwahati.

3. Shri Tasa Served as a teacher for 12 years in the first part of his service life. Then he was appointed as Sub-Inspector of Schools by the Government of Assam. He was promoted to the post of the Elementary Officer later on and retired from the same post in the year of 2012. He served as an education officer for 28 years in different districts of Assam.

4. Shri Tasa has literary works in Assamese Language. He wrote 4 books on education and 6 books on Assamese language, literature and culture. He always emphasizes on eradication of illiteracy from the society specially from the tea garden labour community to which he belongs. He has been closely associated with Asam Sahitya Sabha for 43 years. He became its Branch President, District President, Asstt. General Secretary, General Secretary in dierent times. Now he is the Vice President of this famous literary organisation of the North East which is going to complete its glorious 100 years in 2016.

5. Shri Tasa is the recipient of Radha Govinda Baruah Award in 1996 and Rupkonwar Jyoti Prasad Agarwala Award in 2004. He has got ovation several times in different parts of Assam for his contributions in the fields of literature, culture, education and social service.